7.1.1 Number of gender equity promotion programs organized by the institution year-wise during the last five years.

ORIENTAL COLLEGE

PATNA CITY

WOMEN'S EMPOWERMENT

JAMAL-FATMA

Convenor

Member of the Women's empo
Werment cell

(1) Dr Syed Eqbal Afzal chair Person
Principal

2) Dr Jamal Fatma - Convenor

3) Dr Fauzia Perween - Member

4) Dr Hena Hussain - Member

5) Dr yasmin Bano - Member

6) Dr Sarwat Tauheed - Member

7) Dr Seema Aziz - Member

8) Mrs Kausar Jahan - Member

07-03-18

सूचना

महाविद्यालय के "महिला सशक्तिकरण परिषद" द्वारा कल दिनांक 8-3-2018 को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया जायेगा।

अतः महाविद्यालय के सभी शिक्षक शिक्षिकाओं एवं छात्राओं की उपस्थिति अपेक्षित है।

स्थान :- गर्ल्स सेन्शन

समय :- 11.00 बजे अपराहन

Fatma
Convenor

07.03.18

Fauzia 7.3.18

Seema Aziz
7.3-18

7-3-18

7-3-18

07.3.18

07/03/18

PINDAR, PATNA
DATE 09-03-2018
पिन्दार
پندار
2

اورینٹل کالج میں یوم خواتین کے موقع پر پروگرام کا انعقاد

پٹنہ سیٹی 8 مارچ (پی این ایس) اورینٹل کالج پٹنہ سیٹی کے خواتین سیل کی جانب سے آج گرلس کشن میں یوم عالمی خواتین کے موقع پر ڈاکٹر جمال فاطمہ کی صدارت ڈاکٹر اقبال احمد کی نظامت میں پروگرام کا انعقاد کیا گیا۔ اپنے صدارتی خطبہ میں ڈاکٹر جمال فاطمہ نے کہا کہ آج خواتین ہر شعبہ میں اپنا منفرد مقام بنا رہی ہیں۔ لیکن ابھی بھی محنت کی ضرورت ہے۔ مہمان خصوصی کی حیثیت سے ڈاکٹر سید اقبال افضل نے کہا کہ آج خواتین کی بات ہو رہی ہے۔ 1400 سال قبل جب اسلام دنیا میں آیا اور سرکار دو عالم اس دنیا میں تشریف لائے تو عورتوں کے مقام کو بلند کیا۔ ان سے قبل بچیوں کو زندہ دفن کر دیا جاتا تھا۔ آپ ﷺ نے خواتین کے حق سے لوگوں کو روشناس کرایا۔ یوم خواتین کو اسی دن منانا چاہیے جس دن اسلام نے خواتین کو ان کا حق اور زندگی جینے کا سلیقہ سکھایا۔ مہمان اعزازی کی حیثیت سے نائب پرنسپل ڈاکٹر ربان علی نے اپنے خطاب میں کہا کہ آج خواتین ہر شعبہ میں جا رہی ہیں۔ ڈاکٹر فوجیہ پروین نے کہا کہ ہر شعبہ میں شراکت داری کے باوجود بھی خواتین کو ان کا حق نہیں ملا ہے۔ اس موقع پر ڈاکٹر تنویر حسن نظامی، ڈاکٹر ایس ایم پی فاطمہ، ڈاکٹر قمر علی خاں، ڈاکٹر حنا حسنین، درگا رانی، ڈاکٹر سیما عزیز، کوثر جہاں، عندلیب مصطفی، محمد نعیم وغیرہ نے بھی اپنے خیالات کا اظہار کیا۔

News published in the Newspaper for the programme on Empowerment
date

8-3-2018

प्रतिवेदन

अन्तराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आज दिनांक 8-3-2018 को महाविद्यालय के "महिला सशक्तिकरण परिषद" द्वारा एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमे महिलाओं से संम्बंधित विभिन्न समस्याओं पर विचार-विमर्श किये गये।

कार्यक्रम की अध्यक्षता परिषद की अध्यक्षा महोदया डा० जमाल फातमा द्वारा स्वागत भाषण से किया गया। उन्होंने महिलाओं की वर्तमान परिस्थिति पर विशेष रूप से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि राष्ट्र के निर्माण मे शिक्षा बुनियादी तत्व है। शिक्षा अपने साथ जागरूकता लाती है, इसलिये शिक्षित और सुसंस्कृत स्त्री शक्ति से देश का भाग्य बदला जा सकता है। तब तक भारत की महिलायें सार्वजनिक जीवन मे हिस्सा नही लेंगी वे तरक्की नही कर सकती।

डा० रेना हुसैन के अनुसार — स्त्री समाज का आधार है। परन्तु वह समाज के कुरीतियो के बचन से पीड़ित है। अशिक्षता, पर्दाप्रथा, बेमेल विवाह, बाल विवाह, दहेज और न जाने कितनी रीति रिवाजो से उसे जकड़ कर रख दिया है।

डा० फौजिया परवीन ने अपने भाषण में कहा कि 24 April दिन को महिला सशक्तिकरण के लिये चुना गया है क्योंकि इसी दिन 73वां संविधान संशोधन लागू हुआ था जिसके तहत महिलाओं के लिये पंचायतों में एक तिहाई पर आरक्षित किये गये थे। आजादी के बाद महिला की स्थिति सुधारने तथा उन्हें बराबरी का दर्जा देने के लिये विवाह-तलाक कानून, बच्चे को गोद लेने का अधिकार, शिक्षा प्राप्ति नौकरी और व्यवसाय में स्वतंत्रता और एक पत्नी विवाह सम्बंधी समानता के कानून देश में पारित किये गये।

मुख्य अतिथि प्रिंसपल डा० अकबाल अफजल ने अपने भाषण में कहा कि आज से पन्द्रह साल पहले जब इस्लाम दुनिया में आया तो उसी समय औरतों के मुकाम को ऊँचा किया गया क्योंकि इसलाम से पहले लड़कियों को दफन कर दिया जाता था।

इसके अलावा डा० रब्बान अली, डा० बी फातमी, दुर्गा भवानी, सीमा अजीज ने अपने अपने विचार को प्रकट किया

संगोष्ठी के समापन में
डा० फौजिया परवीन ने इन सभी को
धन्यावाद दिया जो इस संगोष्ठी में आये
थे। विशेष कर प्राचार्य सैयद इकबाल अफजल
और उपप्राचार्य महोदय डा० रहबान
अली का जो इतने कम समय में एक
ही आवाज पर चले आये।

Principal

Convenor

NOTICE

21.01.2019

सभी शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राओं को सूचित किया जाता है कि 24.01.2019 को इब्राहिम ब्लाक रूम नं० 1 में 11.00 बजे "राष्ट्रीय बालिका दिवस" विषय पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा। आप सभी की उपस्थिति अनिवार्य है।

प्राचार्य

आदेशानुसार

Convenor

डा० फौज़िया परवीन

डा० हुमा हसन

डा० यासमीन बानो

डा० सरवत तौहीद

डा० सीमा अज़ीज़

श्रीमती कौसर जहाँ

21.1.19

Kausar Jahan 21.1.19

21.1.19

24.1.19

REPORT

राष्ट्रीय बालिका दिवस पर एक कार्यक्रम का आयोजन इब्राहिम ब्लाक में किया गया। समारोह की शुरुआत आयोजक डा० जमाल फातमा के स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने बताया कि बालिका दिवस की शुरुआत संयुक्त राष्ट्र ने किया। 19 December 2011 को U.N.O ने निर्णय लिया था कि हर साल 11 October को अन्तराष्ट्रीय बालिका दिवस के रूप में मनाया जाये। 24 जनवरी 2008 से प्रधान मंत्री मोदी जी ने राष्ट्रीय बालिका दिवस पूरे देश भर में मनाने का फैसला किया। इस दिन की शुरुआत बालिकों के अधिकारों की रक्षा करने और उनके सामने आने वाली चुनौतियों को दूर करने के मकसद से की गई है।

इस परिचर्चा को आगे बढ़ाते हुये डा० फौज़िया परवीन ने कहा कि बालिकाएं मानव जीवन एवं संस्कृति की जड़ है। समाज में उसका महत्वपूर्ण और गौरवपूर्ण स्थान है। अगर बालक से वंश की वृद्धि होती है, तो बालिकाओं से वंश का गौरव बढ़ता है।

डा० रेना हुसैन ने बताया कि बेटी के बिना घर उसी तरह सुना लगता है जिस तरह फूलवारी बिना फूल के। बेटी प्रकृति की अनुपम देन है। वह घर की शोभा तथा रोशनी होती है।

प्राचार्य डा० सैयद इकबाल अफजल ने अपने विचार प्रस्तुत करते हुये कहा कि सरकार ने बहुत सी योजनाऐं बनाई हैं जो बालिकाओं की रक्षा एवं सहयोग के लिये लाभदायक हैं।

1. लाडली लक्ष्मी योजना
2. मातृ श्री योजना
3. सुकन्या समृद्धि योजना
4. धनलक्ष्मी योजना
5. मुख्य मंत्री सुमंगला योजना
6. लाडली बेटी योजना
7. कन्या विवाह योजना
8. बेटी है अनमोल योजना
9. गर्ल चाइल्ड प्रोटेक्शन स्कीम
10. बाल रक्षक योजना

इसके अलावा प्रधानमंत्री ने छात्रवृति योजना तथा बालिका शिक्षा प्रोत्साहन योजना बनाई। तथा मुख्य मंत्री ने बिहार में कन्या उत्थान योजना की शुरुआत 19 April 2018 से किया की। इसके अलावा "बेटी बचाओ

बेटी पढ़ाओ" जैसे स्कीम को लागू किया, जिसके तहत कोई भी गरीब के बच्चों को पढ़ने में रुकावट नही होगी।

डा० फरहत जबीं के अनुसार जब एक लड़के को शिक्षा मिलती है तो भारत का एक नागरिक शिक्षित बनता है। मगर जब एक लड़की को शिक्षा मिलती है तो एक पूरा परिवार शिक्षित बनता है।

कार्यक्रम का समापन डा० सीमा के धन्यवाद ज्ञापन से हुआ। उन्होंने सभा मे उपस्थित सभी शिक्षकगण एवं छात्र छात्राओं को उनके बहुमूल्य समय देने तथा सभा को सफल बनाने के लिए धन्यवाद दिया।

Principal

Convenor
Fatma

6-10-18

सूचना

महाविद्यालय के सभी शिक्षक गण एवं छात्र, छात्राओं को सूचित किया जाता है कि महाविद्यालय के हाल नं० 4 में दिनांक 10-10-18 को एक गोष्ठी आयोजित की गई है, जिसका विषय है —

"महिलाओं की उन्नति"

अतः सभी छात्र एवं छात्राओं को 12 बजे दिन में हाल में उपस्थित होना अनिवार्य है।

प्राचार्य

आदेशानुसार
Fatma

6-10-18

Kausar Jahan 6/10/18

06/10/18

6/10/18

06/10/18

Fauzia 6.10.18

प्रतिवेदन 10-10-18

10.10.18 को हाल नम्बर चार में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में प्राचार्य और उप-प्राचार्य के साथ साथ छात्र एवं छात्राएं भी सम्मिलित हुई। संगोष्ठी की आयोजक डा० जमाल फातमा ने महिलाओं की उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि देश एवं राष्ट्र की उन्नति का दारोमदार स्त्री जाति पर टिका हुआ है क्योंकि वह पुरुष के एकांकीपन को मिटाकर उसे पूर्ण बनाती है। उन्होंने ज्ञानी सम्राट अरस्तू के कथन को दोहराते हुए कहा कि "स्त्री की उन्नति अवनति पर ही राष्ट्र की उन्नति या अवनति निर्भर है।

प्राचार्य महोदय डा० सैयद इकबाल अफजल ने कहा कि 19वीं सदी की शुरुआत से ही महिलाओं की दशा में परिवर्तन शुरू होने लगा है। उन्हें आधी आबादी के रूप में सम्मान मिलने लगा है। हर जगह सरकार महिलाओं को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रही है।

इसके बवजूद महिलाओं को अपने अन्दर बदलाव लाना होगा और सरकार से जो समानता दी है उसे लेने की का प्रयत्न करना होगा। अपने अधिकार को पहचानना होगा।

डा० सरवत तौहीद ने बताया कि महिलायें जो परम्परा और रूढ़ि की जंजीरें में बंधी थी वह तोड़ चुकी हैं।

डा० यासमीन बानो के अनुसार शिक्षा के द्वारा महिलायें वकील, डाक्टर, वैज्ञानिक, राजनीतिज्ञ, प्रोफेसर और पायलट हैं। उनकी उड़ान चाँद तथा अंतरिक्ष तक है।

डा० फौजिया परवीन ने आने वाले शिक्षकगण, छात्र छात्राओं को धन्यवाद दिया और कहा कि शिक्षा और कानूनी अधिकार मिलने से ~~समाज~~ महिलाओं का समाज में उनका रुतबा बढ़ा है। लोग इज्जत की निगाह से देखते हैं। शिक्षा के कारण ही महिलायें पुरुषों से आगे निकल रही हैं।

Fatma
Convenor

Principal

05-07-2018
Time 11.A.M.

सूचना

महाविद्यालय के सभी शिक्षकगण एवं छात्र, छात्राओं को सूचित किया जाता है कि महाविद्यालय के हाल नं० – 1 में दिनांक 05-07-2018 को एक गोष्ठी आयोजित की गई है, जिसका विषय है — "घरेलू हिंसा" – जिसकी मुख्य प्रवक्ता श्रीमती डा० मंजू दूबे होगी।

अतः सभी छात्र / छात्राओं को इस गोष्ठी में उपस्थित होना अनिवार्य है।

आदेशानुसार
Fatima

Reena 05/07/18
Seema 5/7/18
Fauzia 5.7.18
5/7/18
Kausar Jahan 5/7/18
Bushra 5/07/18

7.7.2018

Report

दिनांक 7.7.18 को कालेज के परिसर के अन्तर्गत (छात्रा खंड) में एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसका शीर्षक है "घरेलू हिंसा"। संगोष्ठी की शुरूआत डा० जमाल फातमा के स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने बताया कि हिंसा क्या है। अहिंसा का आभाव हिंसा है। जैसे देवता के साथ राक्षस, पुण्य के साथ पाप है उसी तरह हिंसा के साथ हिंसा है। अर्थात हिंसा का सम्बंध हमारे मन से है। हिंसा का प्रदर्शन हमारे मन, वचन तथा शारीरिक क्रिया द्वारा होता है। इसमें सबसे अधिक दानिकारक हिंसा शारीरिक हिंसा है जो एक मनुष्य के विरुद्ध दूसरे मनुष्य पर खुला हुआ अत्यचार है जो कि शारीरिक रूप से उस पर जानबुझ कर किया गया है। इसमें अत्याचार करने वाले की इच्छा जरूर शामिल होती है। उसका आदर्श दूसरों को शारीरिक कष्ठ पहुँचाना होता है।

भूतपूर्व हिन्दी विभागाध्यक्ष प्रो० डा० मंजू दुबे जो इस संगोष्ठी की

मुख्य अतिथि है। इस परिचर्चा को आगे बढ़ाते हुऐ कहा कि हिंसा का सबसे विनाशकारी रूप "घरेलू हिंसा" है। घरेलू हिंसा एक ऐसी हिंसा है, जिसमें व्यक्ति का जीवन, सुख-शान्ति तथा परिवार बिखर जाता है। घरेलू हिंसा एक व्यापक रूप से विस्तृत हिंसा है जिसके चपेट में अनपढ़ से लेकर बुद्धिजीवी, गाँव से लेकर महानगर तक आते हैं। इसके सबसे ज्यादा शिकार महिलायें होती हैं। क्योंकि पुरुष प्रधान समाज है। महिलाओं पर हिंसा करना अपना जन्मसिद्ध अधिकार मानता है।

डा० सीमा अजीज ने बताया कि स्त्री के साथ जुड़े दान और दहेज ने घरेलू हिंसा को बढ़ाने में मदद की है। परन्तु दहेज निवारक अधिनियम 1961 में पारित कर कुछ हद तक इस हिंसा पर लगाम लगाया।

संगोष्ठी के समापन पर डा० फौजिया परवीन ने कहा कि, घर हो या बाहर, हर स्त्री स्त्री के लिये अत्याचार एवं हिंसा कदम कदम पर बाहें पसारे खड़ी है। बलात्कार, सामूहिक बलात्कार, लूटपाट, अपहरण एवं छेड़खानी यह सब शायद स्त्रियों का नसीब बन चुका है।

डा० दुर्गा भवानी ने संगोष्ठी

मैं शामिल प्रो० मंजु दूबे, प्राचार्य तथा
उपप्राचार्य के साथ डा० हेना हुसैन,
डा० फौज़िया परवीन, डा० यासमीन,
डा० फरहत जबी, डा० सरवत ताहीद,
डा० अफरीन साफरा को इस संगोष्ठी
को सफल बनाने के लिये धन्यवाद
दिया।

M Dubey
07/[illegible]/18

Fatma

Principal | Chief Guest | Convenor